के.आर. कन्या महाविद्यालय

16 बीजीपी बोलावली, संगरिया

द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी

27 फरवरी 2023

बाल साहित्यः दशा एवं दिशा

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी

मुख्य संरक्षक
श्री राजेश कुमार गोदारा
अध्यक्ष, के. आर. मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट, संगरिया

संगोष्ठी अध्यक्ष
श्री संदीप कुमार गोदारा
सचिव, के. आर. मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट, संगरिया

संयोजक
डॉ. सुशील कुमार
प्राचार्य, के. आर. कन्या महाविद्यालय, संगरिया

सह संयोजक
श्रीमती मनीषी अरोड़ा
उपप्राचार्य, के. आर. कन्या महाविद्यालय, संगरिया

आयोजन सचिव
श्री सुरेंद्र कुमार
सहायक आचार्य एवं आयोजन सचिव, के. आर. कन्या महाविद्यालय, संगरिया

आयोजक
हिन्दी विभाग
के. आर. कन्या महाविद्यालय, संगरिया

संस्थान परिचय

के. आर. एजुकेशनल ग्रुप का बीजारोपण सन् 1974 में एक प्राथमिक विद्यालय के रूप में श्री कृष्ण लाल गोदारा के द्वारा किया गया। सन् 1993 तक यह प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय का सफर तय करते हुए माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत हुआ। वर्ष 1997 में इसे उच्च माध्यमिक विद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ। निरंतर वर्ष दर वर्ष पुष्पित और पल्लवित होने वाले इस छोटे से पौधे की एक नई शाखा के आर कान्वेंट स्कूल के रूप में सन् 2012 में हमारे सामने आई।

सन् 2020 में जब सारी दुनिया कोविड–19 की मार झेल रही थी, तभी बेटियों की शिक्षा को समर्पित के. आर. मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट संगरिया की नींव पड़ी और के. आर. कन्या महाविद्यालय का सपना धरातल पर साकार हुआ।

के आर कन्या महाविद्यालय, के आर मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट संगरिया, राजस्थान द्वारा संचालित है। इसकी स्थापना 2020 में 16 बीजीपी बोलावली में संगरिया–श्री गंगानगर मार्ग पर संगरिया तहसील मुख्यालय से मात्र 07 किलोमीटर की दूरी पर शहरी भीड़–भाड़ और चकाचौंध से दूर प्रकृति के सुरम्य और शांत वातावरण में की गई। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान द्वारा संबद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा शिक्षा से वंचित बालिकाओं को शिक्षा से जोड़कर उन्हें उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर करना है। विशाल भवन, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, सैकड़ों पुस्तकों से सजा पुस्तकालय शिक्षा के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण करता है। महाविद्यालय में केवल राजस्थान ही नही, बल्कि पंजाब और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में छात्राएँ अध्ययनरत हैं। बालिका शिक्षा को समर्पित इस संस्थान द्वारा छात्राओं को शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद, नृत्य, चित्रकला, वक्तृता कला में भी पारंगत करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। विशाल पुस्तकालय की सैकड़ों पुस्तकों तथा समर्पित शिक्षकों की टीम के द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वर्ष–भर कक्षाओं, सेमिनार, अतिथि व्याख्यान, करियर काउंसलिंग सत्रों का आयोजन समय–समय विषय मर्मज्ञ विद्वानों द्वारा किया जाता है। वंचित वर्ग की छात्राओं के लिए राजकीय तथा गैर राजकीय छात्रवृत्ति के साथ–साथ संस्थान द्वारा भी सभी वर्गों की बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन कर योग्यता अनुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। अब तक वर्तमान शिक्षा सत्र में संस्थान द्वारा कुल 2.40 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है।

हिंदी विभाग

महाविद्यालय में हिंदी विभाग की शुरुआत महाविद्यालय के साथ ही वर्ष 2020 में ही हो गई थी। विभाग के वर्तमान विभागाध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार हैं, जिनके कुशल नेतृत्व में छात्राएं पाठ्यक्रम के साथ–साथ शोध कार्य करने में प्रारंभिक अनुभव प्राप्त कर रही हैं। गत तीन शिक्षा सत्रों के दौरान विभाग का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा है। शोध की दृष्टि से देखे तो विभागाध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार के अभी तक 5 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, साथ ही साथ हिंदी विभाग की दो छात्राओं के शोध पत्र भी प्रकाशित हुए हैं। विभाग नवाचारों में सदैव आगे रहा है। विभागाध्यक्ष स्वयं नवाचारों को प्राथमिकता देते हैं तथा छात्राओं को वाद–विवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कहानी लेखन, कविता लेखन आदि के लिए मार्गदर्शन भी देते हैं। विभाग की तीन छात्राओं का सृजनात्मक लेखन में उल्लेखनीय योगदान है, जिनकी रचनाएं स्थानीय पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है। विभाग द्वारा समय–समय पर अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, संगोष्ठी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें छात्राओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। छात्र कल्याण परिषद की अध्यक्ष सुश्री स्नेहा पारीक एक बहुत कुशल वक्ता हैं इनका संबंध भी हिंदी विभाग से ही है। विभाग की छात्रा मनप्रीत कौर ने गत सत्र की परीक्षाओं में एकल प्रश्न पत्र में सर्वाधिक 92 अंक प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

''बाल साहित्यः दशा एवं दिशा''

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उपविषय

उपविषय

- बाल साहित्य का उद्भव एवं विकास।
- बाल साहित्य की उपयोगिता और महत्त्व।
- बाल साहित्य के विविध आयाम।
- बाल साहित्य को (साहित्यकार विशेष) का अवदान।
- बाल साहित्य में प्रकृति चेतना।
- बाल साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना।
- बाल साहित्य में युग चेतना।
- बाल साहित्य में बाल मनोविज्ञान।
- 21वीं सदी का बाल साहित्य।
- बाल विकास में बाल साहित्य की भूमिका।
- हिंदी प्रदेश का बाल साहित्य।
- हिंदी प्रदेश में बाल साहित्य की संभावनाएं।
- राजस्थानी का बाल साहित्य।
- राजस्थानी बाल साहित्य की दशा एवं दिशा।
- बाल साहित्य में राजस्थान का अवदान
- भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य
- बाल साहित्य का औचित्य
- बाल साहित्य की विविध विधाएँ
- भारतीय बाल साहित्य का इतिहास
- भारतीय बाल साहित्य की परम्परा
- बाल साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
- वैदिक साहित्य में बाल कथाऐं
- नैतिक विकास में बाल साहित्य की भूमिका
- हिन्दी के प्रमुख बाल साहित्यकार

मुख्य विषय से संबंधित अन्य संभावनाएं

"बाल साहित्यः दशा एवं दिशा"

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी सत्र विवरण

उद्घाटन सत्र

स्वागत उद्बोधन
श्रीमती मनीषी अरोड़ा
सहसंयोजक एवं उपप्राचार्य
के आर कन्या महाविद्यालय संगरिया

अध्यक्षता
श्री दीनदयाल शर्मा
वरिष्ठ बाल साहित्यकार एवं
सं. टाबर टोली (पाक्षिक)
संस्थापक अध्यक्ष, राज. साहित्य परिषद, हनुमानगढ़

मुख्य वक्ता
डॉ प्रेमराज न्यौपाने
सहायक आचार्य
नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय
काठमांडू, नेपाल

विषय प्रवर्तन
धम्मिका जयसिंघे
वरिष्ठ व्याख्याता
रुहुना विश्वविद्यालय
श्रीलंका

धन्यवाद
सुरेंद्र कुमार
आयोजन सचिव
सहायक आचार्य के. आर. कन्या महाविद्यालय संगरिया

प्रथम सत्र

अध्यक्षता
प्रो मृदुला शुक्ल
वरिष्ठ आचार्य
इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़ छत्तीसगढ़

धन्यवाद प्रस्ताव
श्री योगेश भारद्वाज
सहायक आचार्य
के. आर. कन्या महाविद्यालय संगरिया

द्वितीय सत्र

अध्यक्षता
डॉ गजादान चारण
सह आचार्य
जी एच एस
राजकीय महाविद्यालय सुजानगढ़, चुरु

धन्यवाद प्रस्ताव
सुश्री अनीता चौधरी
सहायक आचार्य
के. आर. कन्या महाविद्यालय संगरिया

समापन सत्र

अध्यक्षता
श्री गोविंद शर्मा
वरिष्ठ बाल साहित्यकार
सदस्य जवाहरलाल नेहरू
बाल साहित्य अकादमी राजस्थान

सारस्वत वक्तव्य
डॉ घनश्यामनाथ कच्छावा
सदस्य– राजस्थानी भाषा
एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर

धन्यवाद प्रस्ताव

श्री सुरेंद्र कुमार
आयोजन सचिव एवं
सहायक आचार्य के आर कन्या महाविद्यालय संगरिया

परामर्श मण्डल

डॉ कंचन सक्सेना
सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकीय वाणिज्य कन्या महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ गजादान चारण
सह आचार्य
जी एच एस राजकीय महाविद्यालय सुजानगढ़, चुरु

डॉ विवेक शंकर
सह आचार्य राजकीय कला महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ विवेक माहेश्वरी
सह आचार्य
लकुलीश योग विश्वविद्यालय
अहमदाबाद गुजरात

डॉ घनश्यामनाथ कच्छावा
सदस्य राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति
अकादमी बीकानेर

डॉ यशोदा मेहरा
सहायक आचार्य
राजकीय कला कन्या महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ दिनेश कुमार
सहायक आचार्य राजकीय कन्या महाविद्यालय
अटरू, राजस्थान

श्रीमती निर्मला देवी
सहायक आचार्य राजकीय महिला महाविद्यालय
सिरसा, हरियाणा

श्री हरसहाय शर्मा
सहायक आचार्य राजकीय संस्कृत महाविद्यालय
चौथ का बरवाड़ा, राजस्थान

विशेषज्ञ समिति

प्रो मृदुला शुक्ल
वरिष्ठ आचार्य इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़ छत्तीसगढ़

डॉ कंचन सक्सेना
सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकीय वाणिज्य कन्या महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ गजादान चारण
सह आचार्य
जी एच एस राजकीय महाविद्यालय सुजानगढ़, चुरु

डॉ घनश्यामनाथ कच्छावा
सदस्य राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति
अकादमी बीकानेर

डॉ विवेक शंकर
सह आचार्य राजकीय कला महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ बाबूलाल मीणा
सह आचार्य एम.एस.जे. राजकीय संस्कृत महाविद्यालय
भरतपुर, राजस्थान

डॉ कविता मीणा
सहायक आचार्य राजकीय कला कन्या महाविद्यालय
कोटा, राजस्थान

डॉ प्रीति दुबे
सहायक आचार्य राजकीय कन्या महाविद्यालय
अटरू, राजस्थान

श्री सुनील वर्मा
सहायक आचार्य राजकीय नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सिरसा हरियाणा

कार्यकारी सदस्य

डॉ. दिनेश कुमार
सहायक आचार्य,
राजकीय कन्या महाविद्यालय अटरू, बारां

श्रीमती सुनीता शेरावत
रिसर्च स्कॉलर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

सुरेंद्र कुमार
आयोजन सचिव एवं सहायक आचार्य
के आर कन्या महाविद्यालय संगरिया

डॉ लड्डु लाल मीणा
सह आचार्य एवं पूर्व उद्घोषक विविध भारती रेडीयो, मुम्बई

श्रीमती मनीषी अरोड़ा
सहसंयोजक एवं उपप्राचार्य
के आर कन्या महाविद्यालय संगरिया

श्री नरेश कुमार
सहायक आचार्य
डॉ बी आर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय
डबवाली हरियाणा

आयोजन समिति

हिन्दी विभाग
श्री सुरेन्द्र कुमार

अंग्रेजी विभाग
डॉ रामकुमार
श्री संदीप कुमार

पंजाबी विभाग
डॉ पूनम छाबड़ा
श्रीमती पूजा रानी

भूगोल विभाग
डॉ बाबूलाल शर्मा
श्री कृष्ण लाल

इतिहास विभाग
श्री कमलवीर
श्री गगनदीप सिंह

राजनीतिक विज्ञान
श्रीमती डोली अरोड़ा

गृहविज्ञान विभाग
सुश्री राजश्री
सुश्री महिमा शर्मा

चित्रकला विभाग
श्री संदीप कुमार
श्री वीरेंद्र कुमार

अर्थशास्त्र विभाग
श्रीमती किरण बाला

वाणिज्य विभाग
डॉ अर्चना तंवर
श्री सन्नी नागपाल

गणित विभाग
डॉ मोनिका श्रीवास्तव
सुश्री सुमन

भौतिक विज्ञान विभाग
डॉ विपिन कुमार
श्री विजय कुमार

रसायन विज्ञान विभाग
डॉ श्यामवीर सिंह
श्री योगेश भारद्वाज

वनस्पति विज्ञान विभाग
सुश्री अनिता चौधरी

जीव विज्ञान विभाग
श्रीमती रमनदीप कौर

तकनीकि सहायक
श्रीमती शालिनी शर्मा

सुश्री स्नेहा पारीक
अध्यक्ष
छात्र कल्याण परिषद्

सुश्री अमनप्रीत कौर
उपाध्यक्ष
छात्र कल्याण परिषद्

सुश्री चंचल
महासचिव
छात्र कल्याण परिषद्

सुश्री प्रियंका
सचिव
छात्र कल्याण परिषद्

सम्पर्क सूत्र

balshahitya.kr23@gmail.com
www.krgirlscollage.com
M. 78229-38229

निर्देश

संगोष्ठी हेतु पंजीकरण निःशुल्क है।
आलेख प्रस्तुत करने के इच्छुक प्रतिभागी अपने आलेख हिंदी यूनिकोड फोंट (साइज 14) में टाइप करवा कर वर्ड फाइल / पी. डी.एफ. फाइल में दिनांक 25 फरवरी 2023 तक आवश्यक रूप से भिजवा दें।

आलेख भेजने का पता balshahitya.kr23@gmail.com है।

प्रतिभागियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

प्रतिभागी गूगल फॉर्म लिंक https://forms.gle/cs2uN8cNqAFN2fyU8 के माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं।

सभी प्रतिभागियों को गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

आलेख भेजने वाले सभी प्रतिभागियों को पत्र वाचन का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

शोध आलेख के वाचन के लिए चयनित शोध आलेखों की सूचना वॉट्सअप / टेलीग्राम समूह में दी जाएगी।

एक उत्कृष्ट शोध आलेख को पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्कृष्ट शोध आलेख का चयन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा जिसका निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

चयनित शोध आलेखों का प्रकाशन आईएसबीएन / आईएसएसएन पुस्तक / पत्रिका में करवाए जाने की योजना है, जिसकी सूचना यथा समय वॉट्सअप / टेलीग्राम समूह में दी जाएगी।

शोध आलेख निम्नलिखित प्रारूप में भेजें–

शोधसार कुंजी शब्द मूल शोधपत्र संदर्भ सूची अपना नाम, पद और पता

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

पंजीकरण करवाने की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2023
शोध आलेख भेजने की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2023

कौन भाग ले सकते हैं

इस संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों / शोध संस्थानों के शिक्षक / शोधार्थी / विद्यार्थी / अध्येता / अनुसंधानकर्ता / साहित्यकार / एनजीओ से संबंधित बुद्धिजीवी आदि भाग ले सकते हैं।

कैसे भाग लें

इस संगोष्ठी में शोध आलेख प्रस्तुत करने के इच्छुक प्रतिभागी नियत तिथि तक गूगल फॉर्म लिंक https://forms.gle/cs2uN8cNqAFN2fyU8 के माध्यम से पंजीकरण करवाकर संगोष्ठी में भाग ले सकते हैं। संगोष्ठी में पंजीकरण निःशुल्क है।

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग

संगोष्ठी की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। जिसका लिंक वॉट्सअप / टेलीग्राम समूह में यथा समय उपलब्ध करवाया जाएगा। यह लिंक हमारी वेबसाइट www.krgirlscollage.com पर भी उपलब्ध होगा।

अद्यतन जानकारी हेतु सुविधा

सभी प्रकार की नवीनतम जानकारी / घोषणा / पंजीकरण लिंक तथा अन्य आवश्यक सूचनाएं हमारी वेबसाइट और टेलीग्राम समूह में उपलब्ध होंगी।